कहाँ जाऊं मैं माँ | By Muskan Sharma |

टूटा है मन
बिखरे हैं सपने
कहाँ जाऊं मैं माँ
ज़ख्म अपनों ने दिए इतने
किसे दिखाऊं मैं माँ

ग़मों की मारी हूँ
किस्मत ने मुझे
दी है दग़ा
तुमको ही ध्याया
तुम्हें ही पूजा था
मैंने सदा
यक़ीन बस तुम पे
है मुझको करना
माँ तू वफ़ा
आस का ये
दीप मैया
ना देना बुझने

टूटा है मन
बिखरे हैं सपने
कहाँ जाऊं मैं माँ
ज़ख्म अपनों ने दिए इतने
किसे दिखाऊं मैं माँ

मुसीबत घेरे
खड़ी मुझको
हुई राहें मुश्किल
निराशा ने मुझको
घेरा है
खो गई मंज़िल
तूफ़ानों में
फँसी कश्ती
ना दिखे साहिल
मांझी तुम
मेरे नैया की
ना देना डूबने

टूटा है मन
बिखरे हैं सपने
कहाँ जाऊं मैं माँ
ज़ख्म अपनों ने दिए इतने
किसे दिखाऊं मैं माँ

दर्द अब मुझसे
सही ना जाते
मैं बेबस हूँ बड़ी

तुझको पुकारे
तेरी बेटी
तुम्हें हर घड़ी
देरी ना करना
ओ मेरी मैया
टूटे ना सांसों की लड़ी
करुणामयी तू
मैया भरोसा
ना देना मिटने

टूटा है मन
बिखरे हैं सपने
कहाँ जाऊं मैं माँ
ज़ख्म अपनों ने दिए इतने
किसे दिखाऊं मैं माँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-by-muskan-sharma/